नगरीय विकास के तमाम प्रोजेक्ट्स को समय पर पूरा करें : मुख्यमंत्री

नियमित मॉनिटरिंग के साथ गुणवत्तापूर्ण कार्य पर फोकस रखें : भजनलाल शर्मा

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार राज्य के सुनियोजित विकास को गति देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है, जिससे प्रदेश के सुदृढ़ बुनियादी ढांचे को गति मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नगरीय विकास से संबंधित प्रोजेक्ट्स को समय से पूरा करें। साथ ही, अधिकारी नियमित मॉनिटरिंग के साथ गुणवत्तापूर्ण कार्य पर फोकस करें जिससे जनता को समय से इनका लाभ मिले। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि शहरों में बुनियादी नागरिक सुविधाओं को बढ़ावा दिया जाए। इसी क्रम में उन्होंने अधिकारियों को शहरी क्षेत्रों में आधारभूत संरचना, स्वच्छता, पेयजल, सड़क, सीवरेज, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं आवास संबंधी योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान हाउसिंग बोर्ड अपनी संपत्तियों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करते हुए उपभोक्ताओं की जरूरत एवं वर्तमान प्रचलन को ध्यान में रखते हुए कार्य करें ताकि बोर्ड की राजस्व में वृद्धि हो सके। साथ ही, हाउसिंग बोर्ड निजी विकासकर्ता से प्रतिस्पर्धा करते हुए आमजन को गुणवत्तायुक्त आवास उचित मूल्य में उपलब्ध करवाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हाउसिंग बोर्ड अपनी संपत्तियों का प्रभावी प्रचार-प्रसार करे, परियोजनाओं में नवाचार लाए और इनके विकास में निजी क्षेत्र की भागीदारी को भी शामिल करे, ताकि आमजन को ज्यादा से ज्यादा इनका लाभ मिल सके। शर्मा ने कहा कि जयपुर में द्रव्यवती नदी के दोनों ओर से अतिक्रमण को प्राथमिकता के साथ हटाया जाए, इस क्षेत्र का पर्यटन की दृष्टि से उन्नयन किया जाए, ताकि आमजन के साथ ही पर्यटक भी इसका लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि द्रव्यवती नदी पर पौधारोपण के कार्य में भी गति लाई जाए। बैठक में बताया गया कि जयपुर में बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए आमजन की सुगम आवाजाही के लिए रिद्धि-सिद्धि चौराहे पर एलिवेटेड रोड के निर्माण के लिए कार्यादेश जारी किया जा चुका है। साथ ही, अपेक्स सर्किल पर एलिवेटेड रोड के निर्माण की डीपीआर के लिए भी कार्यादेश जारी किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन को बेहतर नागरिक सुविधाएं जैसे सीवरेज, ड्रेनेज, पार्क, लोक परिवहन हेतु कॉम्प्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय शहरी विकास योजना शुरु की जाएगी जिससे प्रदेष के सभी नगरीय क्षेत्रों में जनसंख्या के बढ़ते दबाव का प्रबंधन हो सके। उन्होंने अधिकारियों को इस योजना के क्रियान्वयन के संबंध में नियमित बैठक करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न लंबित बजटीय घोषणाओं के एनआईटी, टेण्डर, वर्कऑर्डर तथा डीपीआर बनाने सहित विभिन्न कार्यों को तय समय में पूरा करने के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्टस को चरणबद्व पूरा करें। साथ ही, हर चरण पर अधिकारियों की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित की जाए। शर्मा ने कहा कि जयपुर मेट्रो फेज-2 के तहत सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र से अम्बाबाडी एवं विद्याधर नगर (टोडी मोड़ तक) मेट्रो संचालित की जाएगी। अधिकारी इसके काम में गति लाएं, ताकि निर्धारित समय में कार्य पूरा हो। उन्होंने जोधपुर के बड़ली में आवासीय योजना लाने तथा भिवाड़ी विकास प्राधिकरण के गठन के संबंध में तेज गति से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025-26 की सभी बजट घोषणाओं में जल्द से जल्द भूमि आवंटित कर कार्य शुरू किया जाए। साथ ही, अधिकारी योजनाओं की अनुमानित लागत के आधार पर योजना का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

उन्होंने बजट की विभिन्न घोषणाओं के अंतर्गत बाड़मेर, धौलपुर, फुलेरा सहित अन्य शहरों की विभिन्न सड़कों के निर्माण एवं चौड़ीकरण कार्यों की समीक्षा की। बैठक में भीम-राजसमंद ड्रेनेज सिस्टम, सूरजगढ़-झुंझुंनू में सीवरेज लाईन, दौसा शहर मे सीवरेज मास्टर प्लान तारानगर-चुरु, नगर व सीकरी-डीग में ड्रेनेज के प्रस्तावित कार्यों की समीक्षा भी की गई। उन्होंने निर्देश दिए कि नगरीय क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार सीवरेज कार्य भी समयबद्ध रूप से करवाए जाएं, ताकि आमजन को बेहतर यातायात एवं स्वच्छता सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने अलवर, पाली, भीलवाड़ा, दौसा, हनुमानगढ़, झुंझुनूं में निर्मित सॉलिड वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट का संचालन शीघ्र प्रारम्भ किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि इसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। साथ ही, किसानों की सहभागिता से इस संबंध में एक सेमिनार भी आयोजित किया जाए। शर्मा ने कहा कि बैठक में शहरी क्षेत्र में सार्वजनिक सेवा को मजबूती देने के लिए तथा ई-बसों के सुगम संचालन हेतु मॉडर्न शेल्टर कम चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएं। बैठक में बजट 2024-25 एवं 2025-26 की नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग से संबंधित घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में नगरीय विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा एवं मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग की समीक्षा बैठक ली। इस मौके पर यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा, मुख्य सचिव सुधांश पंत और विभाग के उच्चाधिकारी मौजूद थे।

- शहरी क्षेत्र में पर्याप्त नागरिक सुविधाओं के लिए प्रतिबद्ध है राज्य सरकार, सुनियोजित शहरी विकास को मिल रही गति : मुख्यमंत्री

रेडियो मिर्ची और संजीवनी बिल्डहोम की सेना के जवानों के लिए अनूठी पहल

जयपुर। रेडियो के इतिहास में पहली बार, मिर्ची और संजीवनी बिल्डहोम लेकर आए हैं "मिर्ची प्लॉट 983", उनके लिए घर, जो रहते हैं सरहद पर।

आम तौर पर रेडियो स्टेशनों में रेडियो मिर्ची का नाम संगीत और मनोरंजन के लिए किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों को न सिर्फ रेडियो पर बल्कि, ऑन ग्राउंड और डिजिटल मीडियम पर सफलता पूर्वक करने के लिए प्रमुखता से जाना जाता रहा है, लेकिन इस बार रेडियो मिर्ची जयपुर ने एक अनोखी पहल शुरू की है।

संजीवनी बिल्डहोम के साथ मिलकर मिर्ची ने एक ऐसा अभियान चलाया है जो हमारे देश के वीर जवानों को उनकी शानदार सेवाओं के लिए सम्मानित करता है।

इस अभियान के तहत, जिसका नाम "मिर्ची प्लॉट 983" है, देश के लिए दिन-रात सरहद पर खड़े रहने वाले जवानों को एक अनमोल तोहफा दिया जाएगा। कॉन्टेस्ट में हिस्सा लेकर कोई भी व्यक्ति अपने किसी जानकर, जो भारतीय सेना, वायु सेना, नौसेना या किसी भी भारतीय सेना इकाई का हिस्सा है, वे नॉमिनेट कर सकते हैं।

संजीवनी बिल्डहोम और मिर्ची जयपुर का ये सहयोग एक भाग्यशाली विजेता को जयपुर में एक पूरा प्लॉट जीतने का मौका देगा। ये पहल ना सिर्फ जवानों के लिए सम्मान का प्रतीक है, बल्कि देश के लोगों को उनके योगदान के प्रति जागरूक करने का एक प्रयास भी है। इस खबर के साथ दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करके अपने परिवार या किसी जानने वाले को नॉमिनेट कर सकते हैं।

- "मिर्ची प्लॉट 983" अभियान के तहत सेना के जवानों को एक अनमोल तोहफा दिया जाएगा

15 हजार का फरार इनामी बदमाश लाभचंद गिरफ्तार

जयपुर। एंटी टैरेरिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) राजस्थान ने लंबे समय से फरार इनामी व मादक पदार्थ तस्करी में वांछित आरोपित लाभचन्द को दबोचा है। आरोपित की गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक श्री गंगानगर से 15 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

एटीएस पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि एटीएस राजस्थान ने ईनामी व मादक पदार्थ तस्करी में वांछित आरोपित लाभचंद (41) निवासी बेंगू जिला चित्तौड़गढ़ को गिरफ्तार किया है। आरोपित लाभचन्द, पिता की आर्थिक स्थिति कमजोर होने की वजह से पढ़ाई बीच में छोड़कर खेती-बाड़ी करने लगा। पैसों की कमी के चलते जाना चाहता था, पर अन्दर-ही-अन्दर पकड़े जाने का डर भी सता रहा था। आरोपित लाभचन्द न तो पैसे कमा सका और न ही ऐसो आराम की जिंदगी जी पाया। उल्टा फरारी के दौरान पुलिस के भय से दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर हो गया। आरोपित लाभचन्द को पूर्व में भी लगभग 2.6 क्विंटल अफीम दूध मादक पदार्थ की तस्करी करते हुए केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो द्वारा गिरफ्तार किया था।

कुमार ने बताया कि एटीएस टीम के विश्लेषण से यह सामने आया कि लाभचन्द अपनी पत्नी के मिलने के लिये अपने दूर के रिश्तेदार के वहां जाता हैं तथा पत्नी को भी वहीं बुला लेता हैं। इस पर एटीएस टीम ने छद्म भेष में लाभचन्द के परिवार के आवागमन पर निगरानी रखनी शुरू की। जहां लाभचन्द की पत्नी बीमार है व उसके ईलाज के लिये उसको भीलवाड़ा डॉक्टर को दिखाने जाता है। एटीएस टीम को सूचना मिली कि लाभचन्द पुलिस के भय से घर के आसपास फरारी काट रहा है, इसी आसूचना के आधार पर उसके संभावित ठिकाने पर दबिश देकर आरोपी को दस्तयाब करने में सफलता प्राप्त की।

- आरोपी पूर्व में भी 2.6 क्विंटल अफीम दूध की तस्करी में केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के हत्थे चढ़ चुका है

राजस्थान की दूसरी सेना भर्ती रैली 25 अगस्त से सीकर में होगी

जयपुर। वर्ष 2025-26 के लिए भर्ती क्षेत्र राजस्थान की दूसरी सेना भर्ती रैली, भर्ती कार्यालय (मुख्यालय) जयपुर द्वारा जिला स्टेडियम सीकर में 25 अगस्त से 16 सितम्बर 2025 तक आयोजित की जायेगी। यह रैली जयपुर, सीकर और डीडवाना-कुचामन जिलों के लिए होगी। इस रैली में अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर टेक्निकल, अग्निवीर ऑफिस असिस्टेंस/एसकेटी, अग्निवीर ट्रेड्समैन (8वी पास और 10वी पास) श्रेणियों के लिये कॉमन एंट्रेन्स एग्जाम 2025 में शामिल हुए 10 हजार हजार से अधिक अभ्यर्थियों को कोल अप जारी किया गया है। इसके अलावा, सिपाही फार्म, सैनिक तकनीकी नर्सिंग सहायता हवालदार शिक्षा (सूचना और तकनीक / साइबर, सूचनात्मक कार्यवाही और भाषाविद), हवालदार सर्वेयर स्वचलित मानचित्रकार, जूनियर कमीशन अधिकारी कैटरिंग और धार्मिक शिक्षक जूनियर कमीशन अधिकारी। की क्षेत्रीय और केन्द्रीय श्रेणी की भर्ती रैली भी 25-26 अगस्त को आयोजित की जाएगी।

केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने पकड़ीं प्रतिबंधित दवाइयां

जयपुर। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) की टीम ने अवैध मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ कार्रवाई की है। टीम ने जयपुर सोडाला से प्रतिबंधित दवाइयां ट्रामाडोल कैप्सूल, अल्प्राजोलम टैबलेट की बड़ी खेप व कोडीन फॉस्फेट की बोतलें पकड़ी हैं। साथ में 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 42 हजार की नगदी भी बरामद की है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

उप नारकोटिक्स आयुक्त कोटा नरेश बुन्देल ने बताया कि जयपुर सेल के अधिकारियों को दो व्यक्तियों के बाइक से सोडाला के छाबड़ा रोड पर प्रतिबंधित ट्रामाडोल ले जाने की सूचना मिली थी। इस पर टीम मौके पर गई। संदिग्ध की निगरानी रखी। उन्हें जयपुर के छाबड़ा रोड चंबल पावर हाउस के पास रोका। तलाशी के दौरान वाहन में छुपाए गए 33 डिब्बों में 7 हजार 920 प्रतिबंधित ट्रामाडोल कैप्सूल और 118 कोडीन फॉस्फेट की बोतलें मिली। पूछताछ के बाद एक टीम सप्लायर को पकड़ने के लिए रवाना हुई। उसे पेट्रोल पंप वाले बालाजी, के पास रोका। तलाशी में सप्लायर के पास से दवा बिक्री की रकम 42 हजार 780 बरामद की। सप्लायर ने पूछताछ में स्टॉकिस्ट के बारे में बताया। इसके बाद टीम ने सीकर रोड स्थित एक आवासीय परिसर में छापा मारा। ट्रामाडोल की 2184 कैप्सूल, अल्प्राजोलम की 600 गोलियां और कोडीन फॉस्फेट की 97 बोतलें बरामद हुई।

पतंजलि को मिला अंतरराष्ट्रीय स्तर का ए.ई.ओ. टायर-2 प्रमाणपत्र

व्यावसायिक क्षेत्र में उद्यिमता का नया कीर्तिमान स्थापित किया पतंजलि ने : स्वामी रामदेव

नई दिल्ली। देश की आज़ादी के अमृत महोत्सव में भारत के घर-घर में विश्वास का प्रतीक बनी पतंजलि फूड्स लिमिटेड ने स्वदेशी इतिहास में एक और स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया है। वर्ल्ड कस्टम्स ऑर्गेनाइजेशन और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय- भारतीय सीमा शुल्क ने पतंजलि को ऑथोराइज्ड इकोनॉमिक ऑपरेटर टायर-2 (ए.ई.ओ.) प्रमाणपत्र प्रदान किया है।

यह प्रमाणपत्र विश्वस्तरीय व्यापार में ईमानदारी, पारदर्शिता और सप्लाई चेन सुरक्षा के उच्चतम मानकों का प्रतीक है। भारत की सर्वोच्च कंपनियों में केवल गिनी-चुनी कंपनियों के पास ही यह दर्जा है, और एफ.एम.सी.जी. सेक्टर में तो यह गौरवशाली प्रमाणपत्र केवल कुछ ही कंपनियों को प्राप्त है। अब इस सूची में पतंजलि का नाम स्वर्ण अक्षरों में जुड़ गया है।

उल्लेखनीय है कि पतंजलि फूड्स को इस एईओ टायर-2 प्रमाणपत्र से कम्पनी को ड्यूटी डिफर्ड पेमेंट, बैंक गारंटी से छूट, डायरेक्ट पोर्ट डिलीवरी ,24 घंटे और हफ्ते के 7 दिन क्लियरेंस सुविधा के साथ और कुल 28 प्रकार से अधिक अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक लाभ प्राप्त होंगे।

स्वामी रामदेव ने कहा कि यह किसी भी कंपनी की गुणवत्ता, सत्यनिष्ठा, पारदर्शी कार्यप्रणाली और राष्ट्रिहत में योगदान का प्रमाण है। पतंजलि ने अपने गुणवत्ता की प्रामाणिकता ,कर्मयोग, कर्तव्यनिष्ठा और स्वदेशी भावना के बल पर यह विशेष मानक प्राप्त किया है। यह केवल एक प्रमाणपत्र नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक आज़ादी को और मज़बूत करने वाला सम्मान है। स्वामी रामदेव ने कहा कि आज का दिन पतंजलि परिवार के लिए ही नहीं, बल्कि हर उस भारतीय के लिए गर्व का दिन है, पतंजलि विश्वसनीयता, प्रमाणिकता, प्रतिस्पर्धा व गुणवत्ता के क्षेत्र में प्रतिदिन नई गति से आगे बढ़ रहा है तथा व्यावसायिक क्षेत्र में उद्यिमता के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है ,जो भारत को आर्थिक रूप से विश्वगुरु बनते देखना चाहता है।

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि "यह उपलब्धि पतंजलि के संपूर्ण परिवार, कर्मचारियों और उपभोक्ताओं की सामूहिक साधना का फल है।

देवनानी जाएंगे अयोध्या

जयपुर । विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी मंगलवार को दो दिवसीय उत्तर प्रदेश यात्रा पर जाएंगे। देवनानी इस यात्रा के दौरान बुधवार 20 अगस्त को प्रात: 6 बजे अयोध्या के राम मंदिर में पूजा अर्चना कर आरती करेंगे। देवनानी मंगलवार को दोपहर में वायुयान से जयपुर से रवाना होकर लखनऊ पहुँचेंगे। देवनानी लखनऊ से सडक मार्ग द्वारा अयोध्या जायेंगे।

परिसीमन के नाम पर लंबे समय तक स्थगित नहीं रख सकते पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि परिसीमन के नाम पर लंबे समय तक पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव स्थगित नहीं रखे जा सकते। राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए बाध्य है कि परिसीमन प्रक्रिया समय पर पूरी हो, ताकि संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार समय पर चुनाव कराए जा सके। जहां पंचायत भंग होती है, वहां आदर्श रूप से छह माह के भीतर चुनाव होने चाहिए।

अदालत ने कहा कि निवर्तमान सरपंचों को अपनी पंचायतों के दैनिक कार्य के प्रबंधन के लिए प्रशासक लगाया गया और पंचायतों के विघटन के छह माह बाद उन्हें प्रशासक पद पर बने रहने की अनुमति दी गई, लेकिन बाद में उन्हें तय प्रक्रिया का पालन किए बिना हटा दिया गया।

अदालत ने याचिकाकर्ता प्रशासकों को पद से हटाने के आदेश को रद्द करते हुए पंचायती राज कानून की धारा 38 के तहत याचिकाकर्ताओं पर कार्रवाई की छूट दी है। अदालत ने कहा कि दो माह में याचिकाकर्ताओं का पक्ष सुनने के बाद मामले में कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही अदालत ने आशा जताई है कि राज्य सरकार मामले में गौर करेगी। वहीं अदालत ने आदेश की कॉपी केन्द्रीय निर्वाचन आयोग, राज्य निर्वाचन आयोग और मुख्य सचिव को भेजी है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश महावीर प्रसाद गौतम व 16 अन्य याचिकाओं पर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता लक्ष्मीकांत मालपुरा व अन्य ने बताया कि सरपंचों का कार्यकाल पूरा होने के बाद विभाग ने चुनाव में देरी को देखते हुए गत 16 जनवरी को अधिसूचना जारी कर निवर्तमान सरपंचों को प्रशासक लगा दिया। वहीं बाद में उन्हें बिना जांच और सुनवाई का मौका दिए प्रशासक पद से हटा दिया गया। याचिका में कहा गया कि उनकी नियुक्ति की अधिसूचना वैधानिक रूप से मान्य थी।

ऐसे में उन्हें बिना जांच हटाना अवैध है। जिसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि उन्हें दैनिक कार्यों के प्रबंधन के लिए प्रशासक लगाया गया था और जिस परिपत्र से उन्हें नियुक्त किया गया था, वह वैधानिक नहीं था। वहीं याचिकाकर्ताओं के खिलाफ जांच लंबित है। ऐसे में याचिकाओं को खारिज किया जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने प्रशासकों को पद से हटाने के आदेश को रद्द करते हुए अन्य दिशा-निर्देश दिए हैं।

- "अदालत ने कहा कि जहां पंचायत भंग होती है, वहां आदर्श रूप से 6 माह के भीतर चुनाव होने चाहिए। राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए बाध्य है कि परिसीमन प्रक्रिया समय पर पूरी हो।"

अनूप मिश्रा मुख्यालय शाखा अध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित

जयपुर । राजस्थान आवासन बोर्ड कर्मचारी संघ के द्वितीय चरण के चुनाव में शाखा मुख्यालय के शाखा अध्यक्ष पद पर अनूप मिश्रा निर्विरोध निर्वाचित हुए। संघ के संयुक्त महासचिव गोविन्द नाटाणी ने बताया कि 18 अगस्त को मुख्यालय शाखा अध्यक्ष पद के लिए मण्डल मुख्यालय में चुनाव पर्यवेक्षक सुभाष चंद यादव, दारा सिंह, सरोज जैन द्वारा कराये गए। चुनाव में एक मात्र आवेदन प्राप्त होने पर अनूप मिश्रा को शाखा अध्यक्ष मुख्यालय पद पर निर्विरोध निर्वाचित किया गया। निर्वाचित अध्यक्ष मिश्रा को संघ के प्रान्तीय अध्यक्ष दशरथ कुमार द्वारा पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। महामंत्री प्रदीप शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष भगवती प्रसाद द्वारा नव निर्वाचित मुख्यालय अध्यक्ष अनुप मिश्रा को शुभकामनाएं दी गई। मिश्रा द्वारा अपने संबोधन में कहा गया कि मण्डल हित एवं कर्मचारी हित में अपना योगदान देते रहेंगे एवं समय-समय पर मण्डल हित एवं कर्मचारी हित के लिये आवाज उठाते रहेंगे।

दो करोड़ की मिट्टी खुदाई के टैंडर में 2 फर्मों की समान रेट आई, अब ठेका पाने की जुगाड़ में जुटे दोनों ठेकेदार

जयपुर (कासं)। जयपुर विकास प्राधिकरण के 2 करोड़ की मिट्टी खुदाई के काम में एक ही टैंडर दो समान रेटों पर खुल गया। अब समान दर डालने वाले ठेकेदार इसे पाने की जुगाड़ में जुट गए हैं। इसके लिए-अपने अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर रहे है।

सूत्रों के मुताबिक जयपुर विकास प्राधिकरण की जोन-12 में अवंतिका विहार योजना है। यहां जेडीए की योजना में बसी कालोनी में प्लाटों का लेवल करने के लिए लगभग 2 करोड़ का टैंडर निकाला गया था। बताया जा रहा है कि जयपुर विकास प्राधिकरण जल्द ही खुली नीलामी के जरिए इन स्कीम में जमीनें बेचेगा। ऐसे में यहां जमीनों के समतलीकरण के लिए भी एक फर्म को केदार विहार में काम दिया हुआ है, जिसे सरकारी जमीन की ऊंची और उबड़-खाबड़ जमीन को समतल करने तथा ऊंचाई वाले क्षेत्रों से मिट्टी खोदकर खड्डे अथवा निचले क्षेत्रों में जेडीए के प्लॉट्स में डालनी है।

बताया जा रहा है कि इस काम को लेने के लिए पांच ठेकेदारों ने टैंडर भरा था। ऐसे में करीब 35 फीसदी कम रेट ठेके में सामने आयी। परंतु दो फर्मों ने एक समान रेट भरी, जिसमें निशिता एंटरप्राइजेज 35.99 और आर्यन कंस्ट्रक्शन की रेट 35.99 आई है। अब ये दोनों फर्में टैंडर लेने की जुगाड़ में जुटी हुई है। इन्होंने पहले ही निर्धारित दर से कम रेट पर बिड डाली है। अब दोनों फर्में इससे भी कम रेट पर नेगोशिएशन को तैयार है। इसका कारण यहां बड़ी मात्रा में मिट्टी के टीले होना है। ये दोनों ठेकेदार किसी भी स्तर पर ये ठेका लेना चाहते है। सूत्रों का कहना है कि वित्त निदेशक 2 बार इसी तरह के टैंडर ज्यादा दर आने के कारण कर निरस्त चुके हैं। ऐसे में अब भी यहां ठेका निरस्त किया जायेगा तो जेडीए को राजस्व का फायदा होना तय है। इसके पीछे सीधा सा कारण यह है कि इस टैंडर में शामिल होने वाली तमाम फर्मों की रेट खुल चुकी है, ऐसे में अगर दुबारा टैंडर किए जाते हैं तो संभावना है कि दरें और भी कम प्राप्त हो, जिससे जेडीए को राजस्व का फायदा होगा।

गौरलब है कि जोन-12 स्थित केदार विहार और अवंतिका विहार में इन दिनों मिट्टी के अवैध खनन और रेत माफिया द्वारा मिट्टी के डंपर भरकर बाहर ले जाने का मामला भी सामने आया है।

- वित्त निदेशक 2 बार इसी तरह के टैंडर ज्यादा दर आने के कारण कर चुके हैं निरस्त, अब भी करें तो होगा जे.डी.ए. को फायदा

राजस्थान में अन्य सेवाओं से 4 अधिकारी बने आई.ए.एस.

इनमें मुख्यमंत्री कार्यालय में डायरेक्टर स्टेटिस्टिक्स की सेवाएं दे रहे डॉ. नीतीश शर्मा, लेखा सेवा से अमिता शर्मा, सांख्यिकी सेवा से नरेन्द्र कुमार मंघानी तथा नरेश कुमार गोयल शामिल है।

डॉ. नीतिश शर्मा

अमिता शर्मा

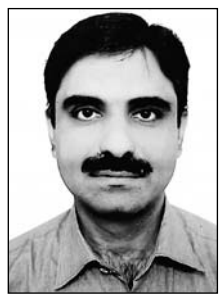

नरेन्द्र कुमार

नरेश गोयल

जयपुर (कासं)। राजस्थान में अन्य सेवाओं से चार अफसरों को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.) बनाया गया है। केंद्रीय कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग ने गैर राज्य प्रशासनिक सेवाओं के चार अफसरों को आई.ए.एस. बनाने की अधिसूचना जारी कर दी है। 18 अगस्त को जारी हुई इस अधिसूचना के अनुसार डॉ. नीतेश शर्मा, अमिता शर्मा, नरेंद्र कुमार मंघानी और नरेश कुमार गोयल को आई.ए.एस. बनाया है। डॉ. नीतेश शर्मा सांख्यिकी सेवा और अमिता शर्मा लेखा सेवा की अफसर है।

चारों अफसरों को वर्ष 2022 की वैकेंसी के तहत आई.ए.एस. बनाया गया है। पिछले महीने दिल्ली में संघ लोक सेवा आयोग (यू.पी.एस.सी.) की बैठक में इन चारों अफसरों के चयन पर अंतिम मुहर लगाई गई थी। अब डी.ओ.पी.टी. ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की है। इन अफसरों को अभी प्रोबेशन पर रखा जाएगा। इन्हें नए सिरे से पोस्टिंग दी जाएगी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डॉ. नीतीश शर्मा वर्तमान में मुख्यमंत्री कार्यालय (सी.एम.ओ.) में डायरेक्टर स्टेटिस्टिक्स के पद पर काम कर रहे है। वे इकोनॉमिक्स में एम.ए. तथा पी.एच.डी. होने के साथ-साथ एम.बी.ए. फाइनेंस भी है। मुख्यमंत्री कार्यालय से पहले डॉ. नीतीश ने चीफ सेक्रेटरी ऑफिस में डायरेक्टर प्रोग्राम मॉनिटरिंग के पद पर 6 साल काम किया है। जिसमें मुख्य सचिव के सीधे निर्देशन में कार्य करते हुए राज्य के सभी कार्यक्रमों, स्कीम्स और प्रोजेक्ट्स की मॉनिटरिंग की है। डॉ. नीतीश को 3 राज्य पुरस्कार भी राज्यपाल व मुख्यमंत्री के हाथों प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें सिविल सिर्विसेज डे पर प्राप्त अवार्ड उल्लेखनीय है।

- बताया जा रहा है कि पिछले महीने दिल्ली में संघ लोक सेवा आयोग (यू.पी.एस.सी.) की बैठक में इन चारों अफसरों के चयन पर अंतिम मुहर लगाई गई थी

मुरलीपुरा में स्कॉर्पियो कार से मजदूर को कुचलने वाला बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। मुरलीपुरा इलाके में कार से एक मजदूर को कुचलने वाले चालक और अन्य के खिलाफ पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस की टीम आरोपितों की तलाश में सीकर के श्रीमाधोपुर, नागौर और दिल्ली में दबिश दे रही है। हालांकि पुलिस टीम ने स्कॉर्पियो कार को जब्त कर कार चलाने वाले आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। थानाधिकारी वीरेंद्र कुरील ने बताया कि कार से एक मजदूर को कुचलने वाले चालक और अन्य के खिलाफ पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया गया है। साथ ही कार चलाने वाले आरोपित कुलदीप को गिरफ्तार कर लिया हैं। वहीं मारपीट करने वाले सुभाष और एक अन्य व्यक्ति की तलाश पुलिस टीमें कर रही हैं। इस घटना के बाद आरोपित कार लेकर जयपुर से बाहर निकल गए थे। पुलिस की तीन टीम जगह-जगह आरोपित युवकों की तलाश में दबिश दे रही है।